चंबल जन घोषणा पत्र - 2019

(17 वीं लोकसभा चुनाव)

Chambal Manifesto - 2019

चंबल जन घोषणा-पत्र 2019

चंबल एक धारा नही विचारधारा है। बगावत और बलिदान की। महजनपद काल में इस धरा ने द्रोपदी की बगावत को देखा। तब पहली बार यहां चंबल के किनारे चमड़ा सुखाने की परंपरा बंद कराया गया। शायद यह पर्यावरण बचाने का आदि संदेश था। मध्यकाल में भी दिल्ली की सत्ता कभी इस इलाके को काबू में नहीं रख सकीं। दिल्ली के बगावती तब चंबल के बीहड़ों में शरण लेते। फिर तो यहां के बीहड़ बगावत का एक सिलसिला ही बन गए। आजादी आंदोलन में अंग्रेजों को सबसे बड़ी चुनौती चंबल के इलाकों में इसी रवायत के चलते मिली। इमरजेंसी भी चंबल की बगावत के आगे पानी मांग गई थी। व्यक्तिगत उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ भी बगावत की अभिव्यक्ति चंबल में जारी रही। बंदूक उठाकर बीहड़ कूदना सरकार, राजनीति और पुलिस के संरक्षण में पोसे जाने वाले जालिमों को मटियामेट करने के संकल्प को परिभाषित करने वाला मुहावरा बन गया।

'नर्सरी आफ सोल्जर्स' के नाम से विख्यात चंबल वह इलाका है जहां के लोग देश के लिए बलिदान हो जाने के जुनून के चलते सबसे ज्यादा संख्या में सेना और अन्य बलों में शामिल होते हैं। इस इलाके में शांति के दिनों में भी किसी न किसी गांव में सरहद पर तैनात किसी जवान को तिरंगे में लपेटकर लाया जाता है।

चंबल पुरातात्विक सभ्यता की भी खान है। संसद का चेहरा यहां की इसी महान सभ्यता का मुखौटा है। बीहड़ के कोने-कोने में सैकड़ों साल के इतिहास की स्मृतियों को सीने में दबाये भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। 900 किमी लंबी चंबल के साथ दौड़ते बीहड़ों और जंगलों में क्रांतिकारियों, ठगों, बागियों-डाकुओं के न जाने कितने किस्से दफ्न हैं। चंबल की यह रहस्मयी घाटी हिन्दी सिनेमा को हमेशा लुभाती रही है। लिहाजा इस जमीन को फिल्मलैण्ड कहा जाता है। आजादी के बाद इस पृष्ठभूमि पर बनी तमाम फिल्में सुपरहिट रहीं।

फिल्मांकन की दृष्टि से इस घाटी का दोहन अभी नाममात्र को हुआ है। पीला सोना यानी सरसों से लदे इसके खाई-भरखे, पढ़ावली-मितावली, बटेश्वर, सिंहोनिया के हजारों साल पुराने मठ-मन्दिर, सबलगढ़, धौलपुर, अटेर, भिंड के किले, चंबल सफ़ारी में मगर, घड़ियाल और डॉल्फिनों के जीवन्त दृश्य और चाँदी की तरह चमकती चंबल के रेतीले तट और स्वच्छ जलधारा...और भी बहुत कुछ है चम्बल में जिस पर फिल्मकारों और पर्यटकों की अभी दृष्टि पड़ी नहीं है। दस्यु समस्या का बहाना बना कर बहुत ही उर्वर चंबलभूमि को एक साजिश के तहत 'डार्कजोन' में रखा गया है। सरकारें आती रही और जाती रहीं....कैलैंण्डर बदलते रहे...नही बदली तो सिर्फ पचनद घाटी की किस्मत।

सुझाव / मांगे

- चंबल की बुनियादी समस्याओं का अध्ययन और तत्काल निदान के लिए 'चंबल आयोग' बनाया जाय।
- चंबल की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित कर पर्यटन मानचित्र से जोड़ा जाय और शाम को लाइट एंड शो, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाये।
- चंबल संस्कृति में रची बसी लोकगीतों को आडियो-वीडियों के मार्फत सहेजा जाए
- चंबल विशेष पैकेज के तहत 'चंबल विकास बोर्ड' का गठन किया जाय और लोकनायक जेपी के सुझावों को जमीन पर उतारा जाए।
- चंबल में बनाए जा रहे चंबल एक्सप्रेसवे चंबल के लिए और उसकी रवानगी के लिए खतरनाक साबित हो सकता है इसलिए इसे बेहद सावधानी से और स्थानीय लोगों की राय के बाद ही बनाया जाना चाहिए।
- यहां आज भी व्याप्त मैला धोने की कुप्रथा चल रही है उसे तत्काल बंद कर उचित पुर्नवास किया जाय
- पूल व सड़क और विद्युत से चंबल के बीहड़ में बसे गांवों को जोड़ा जाए।
- रोजगार के अवसर पैदा कर पलायन को रोका जाये।
- इस फिल्मलैण्ड में 'चंबल फिल्मसिटी' का स्थापना की जाय यह जो भी फिल्में बनें उसकी आमदनी का 30 फीसद यहीं के विकास पर खर्च किया जाय।
- चंबल की गौरवशाली पहचान दुनिया के सामने लाने के लिए यहां के जंग आजादी के शहीदों-क्रांतिकारियों भारतीय सेना के शहीदों को के उनके गांव में उन हुतात्माओं की याद में डिजीटल पुस्तकालय, कालेज खोला जाय।
- जगह- जगह स्कूल, अस्पताल, टेक्नीकल कालेज खोला जाय।
- गरीब भूमिहीनों के लिए कृषि पट्टे आवंतित किये जाय।
- बकरी, भैंस, कुक्कुट पालन आदि स्वरोजगार उद्योगो को बढ़ाने नौजवानों को प्रेरित किया जाय।
- पेड़ पौधे लगाकर घाटी का सौंदर्यकरण किया जाय।
- दिल्ली सहित तमाम महानगरों में चंबल भवन बनाया जाय, जिसमें चंबल घाटी से जाकर किसी भी प्रवेश परिक्षा/ नौकरी इंटरव्यू के लिए एक दिन पहले से व्यस्था हो।

- भारतीय सेना में चंबल रेजीमेंट जो भारतीय संसद में रखा गया था उसे तत्काल अमल में लाया जाय।
- अरसे से प्रस्तावित परियोजना पचनद बांध बनाकर व नहरे निकाल कर चंबल और बुंदेलखंड को हरा-भरा कर किसानों में खुशहाली लाया जाय।
- पानी की किल्लत को दूर करने के लिए चैक डेम का निर्माण हो, लिफ्ट कैनाल से बंजर जमीने सरसब्ज हो उठेंगी।
- चंबल औषधीय खेती की खान रही है। फिर से चिन्हित कर उन औषधियों का संरक्षण कर औषधीय रिसर्च सेन्टर खोला जाय।

जिला व क्षेत्रवार

जालौन:

- सुल्तानपुरा पर पक्का पुल जो रामपुरा से भिण्ड व इटावा को जोड़ता है, बनाया जाय।
- सुल्तानपुरा, हुकुमपुरा, बिलौड़, जखेता चारों गांव जनपद जालौन के जो सिन्ध नदी के पार जिनमें शिक्षा के क्षेत्र में बेहद शिक्षा के पिछड़े गांव हैं जिसकी आबादी करीब 6 हजार से ऊपर है वहां पर हाईस्कूल खोला जाय।
- चंबल के तमाम बीहड़ी गांव में पानी का खारापन समस्या है...पीने की पानी की टंकी का निर्माण हो।
- शेखपुरा गांव में सासंद रही फूलन देवी की अंतिम इच्छाओं का सम्मान करते हुए इंटर कालेज खोला जाय।
- सुल्तानपुरा से जखेता तक के रास्तों पर 6 बड़ी पुलिया बने, जिससे आने जाने की रुकावट दूर हो सके।

मुरैना:

- चंबल नदी पर उसैद घाट बहुप्रशिक्षित पुल का तत्काल निर्माण हो, गौरतलब है कि यह पुल अंबाह (मुरैना) और बाह (आगरा) को जोड़ेगा।
- चंबल नदी पर सेवरघाट पुल जो मुरैना और धौलपुर को जोड़ेगा...यह पुल 20 साल पहले आधा बन कर रुका हुआ है।
- चंबल नदी पर अटार घाट का पुल तत्काल बने। यह पुल सीधा राजस्थान से सीधे जोड़ेगा। इससे इलाके की आवागमन की सुविधा बढ़ेगी। और व्यापार भी दोनो दोनो राज्यों के बीच बढ़ेगा।
- प्रस्तावित रेल लाइन शुरु की जाय, यह रेलवे लाइन ग्वालियर, जौरा, सबलगढ़ के रास्ते कोटा तक जाएगी।
- मुरैना हाइवे पर ट्रामा सेन्टर की स्थापना हो।
- विश्वप्रसिद्ध बंद पड़ कैलारस शक्कर कारखाने का तत्काल खोला जाय और फिर से गन्ना उत्पादकों का विश्वास जीता जाय।
- मुरैना में मेडिकल और इंजीनियरिंग कालेज खोला जाय।
- लीगल माइंनिंग रेत का काम शुरु किया जाय...ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

भिन्ड:

- चम्बल में शीघ्र ही सैनिक स्कूल खोला जाना चाहिए मुख्यालय भिंड में जिससे आलमपुर से मालनपुर तक के बच्चे आराम से पहुंच सके क्योंकि मुख्यालय मिडिल में है।
- ग्वालियर से इटावा हाइवे 92 पर रोज़ लोगों की मौत हो रही है इसलिए इसे 4 लाइन होना ही चाहिए ताकि दुर्घटनाओ में कमी आये।
- ग्वालियर से भिंड होकर इटावा के लिए रेल लाईन बड़ी दूरी की ट्रेन शुरू की जाए
- भिंड स्तिथ अटेर रोड पर रेलवे पुल का निर्माण।
- शहर को अतिक्रमण मुक्त किया जाए और गलियों व सड़को का निर्माण।
- सबसे महत्त्वपूर्ण सीवर प्रोजेक्ट में घोटाले की जांच
- अवैध रेत उत्खनन से नदियों का संरक्षण
- रेलवे लाइन भिंड से उरई का कार्य शुरू किया जाए जो कि पहले से मंज़ूर हो चुकी है।
- बीहड़ो का समतलीकरण योजना के परिस्थकीय अध्यन के बाद ही कदम उठाया जाय।
- छोटे उद्योग लगाने चाहिए जिससे लोग रोज़गार में लगेंगे और अपराध कम होगा।
- मध्यप्रदेश का दूसरा और जिला का पहला सबसे बड़ा तालाब गोरी तलाब का सौंदर्यीकरण व उस पर पल का निर्माण ज्ञात हो कि पुल पर कार्य स्वीकृत होकर शुरू हो चुका है। लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप से काम बीच में ही रुका हुआ है।
- शहर के अंदर सालोन से बंद पड़े पुराने पार्क जिन पर अतिक्रमण हो चुका है जैसे सब्ज़ी मंडी पार्क/ अफसर कॉलोनी पार्क आदि को पुनः विकसित किया जाय।
- तहसील दबोह से रावतपुरा सरकार से जालौन जाने वाली रोड की मरम्मत और चौड़ीकरण हो जिससे आसानी से उत्तर प्रदेश से आवागमन हो सके।
- भिंड चम्बल पुल जो अमूमन डेमेज होकर बन्द हो जाता है अच्छे से रेनोवेट किया जाए ताकि आवागमन सही बना रहे।
- भिंड का मशहूर ऐतिहासिक किले में से सरकारी आफिस हटाया जाए व मरम्मत कर संरक्षित किया जाए।

औरैया:

- जूहिखा के पास इंटर कालेज/ टेक्नीकल कालेज खोले जाए।
- पचनदा के पास बेहतर सुविधाओं से लैस सरकारी अस्पताल खोला जाये...सैफई 71 किमी दूर पड़ता है
- चंबल की अग्रवाहिका यमुना के ऐतिहासिक शेरगढ़ घाट पर क्रांति स्मारक बने।
- भरेह और चकरनगर में कुंवर रूपसिंह और राजा निरंजन सिंह का भव्य स्मारक बने।
- औरैया में क्रांति संग्रहालय की स्थापना
- औषधीय खेती को बढावा देकर इस बेल्ट में एलोवीरा, सतावर, सफेद मूसली, तुलसी आदि जैसे कामगारो को प्रेरित किया जाय।

- बीहड़ी गांवों में शुद्ध पेयजल की समुचित व्यस्था।
- अथाह बीहड़ जमीनों पर स्वरोजगार सृजन के ठोस उपाय हो।
- स्पोर्ट्स कालेज और सेना में भर्ती से पहले नौजवानो के लिए प्रशिक्षण केन्द्र खोला जाया

इटावा:

- शहर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए कम शुल्क पर आधुनिक आडोटोरियम का निर्माण हो।
- सैनिक स्कूल की स्थापना हो
- चंबल भाषा अकादमी की स्थापना हो।
- दुग्ध, दवा आदि की फैक्ट्री से रोजगार के अवसर खुलेंगे।

धौलपुर:

- शहर में बस स्टैंड के पास ट्रैफिक जाम की समस्या एवं अंडरपास की आवश्यकता ।
- मचकुंड सरोवर एवं ब्रज क्षेत्र से संबंधित स्मारकों को कृष्णा सर्किट में जोड़ा जाना ।
- सड़को पर अतिक्रमण की समस्या व फुटपाथ का अभाव ।
- पुरानी बावड़ीयो एवं ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण की आवश्यकता है
- चम्बल क्षेत्र एवं सरमथुरा में पेयजल की समस्या।
- रोजगार का अभाव , इसके फलस्वरूप अवैध खनन होने से राजस्व व पर्यावरण का नुकसान।
- लाल पत्थर मजदूरों में सिलिकोसिस बीमारी एवं इलाज़ का अभाव ।
- ग्रामीण क्षेत्र में सड़क, सीवर लाइन का अभाव ।
- कोई मेडिकल एवं इंजिनीरिंग कॉलेज का न होना।
- राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में फिर से डे-स्कॉलर को शुरू किया जाना।
- रोजगार के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा रेत के खनन के लिए विशेष गाइडलाइन्स की आवश्यकता ।
- रीको क्षेत्र में उद्योगों को विशेष रियायत के द्वारा स्थापित किया जाना।
- स्टोन पार्क को पुर्नजीवित किया जाना
- पर्यटन को बढ़ावा देना - केशरबाग , वैन विहार जैसे अभ्यारणों में पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास करना ।
- बृज भाषा, बुन्देली और राजस्थानी कला एवं संस्कृति का संगम होने के कारण धौलपुर में सांस्कृतिक रूप से विशेष संवर्धन की आवश्यकता। इसके लिए भाषा विज्ञान केंद्र स्थापित किया जाना ।
- चंबल में अवैध खनन पर पूर्णतयां अंकुश लगे।
- चंबल की राजस्थान सीमा में घडियाल और कछुआ पालन केंद्र स्थापित हो
- चंबल में धौलपुर शहर का नाले का गिर रहा पानी रोका जाए
- चंबल में आस्था के नाम पर पूजन सामग्री व लाश डालने पर प्रशासन पूर्ण रोक लगाए।

बाह (आगरा)

- बाह को जिला मुख्यालय बनाया जाय
- बाह के खिलाडियों के लिए आधुनिक स्टेडियम
- नर्क बने गुढ़ा, सुन्सार और बुढैरा जैसे तमाम गांवों की बाट जोहती सड़को का निर्माण
- बाह में मुंसिफ कोर्ट बने।
- स्वाथ्य सुविधाओं के साथ महिला प्रसव आपरेशन की सुविधाजनक और बेहतर शिक्षण के लिए एक केंद्रीय विद्यालय, इंजीनियरिंग और आईटीआई कालेज की व्यस्था
- युवाओं को रोजगार दिलाने के उपक्रम किये जाय तथा आद्योगिक क्षेत्र घोषित किया जाय।
- सैन्य कैंटीन की सुविधा।
- पृथक टैक्सी आतंक, बस स्टैंड बनाया जाय, आस पास के जिलों के लिए आधुनिक बेहतर सरकारी बस सुविधाएं-महानगरों के लिए ट्रेन सुविधाएं।
- महान क्रांतिकारी गेंदालाल दीक्षित के गांव में मई में स्मारक
- नहर में 365 दिन पानी की व्यवस्था
- किसानों को आवारा जानवरों के आतंक से मुक्ति के लिए चारागाह।
- बटेश्वर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विकास किये जायें।
- जरार धोबई बिजौली को नगरपालिका से जोड़ा जाय।

संपर्क सूत्र

6388509249, 9453645931

Email – chambaluniversity@gmail.com